

# शमूएल ने यहोवा की सेवा की

## 1 शमूएल अध्याय 1-3

हालाँकि शमूएल एक छोटा लड़का ही था, वह एक नाज़ीर था। उसने अपने बाल कभी नहीं कटवाए। और उसने एक खास मायने में यहोवा की सेवा की।

क्या तुम तैयार हो शमूएल? तुम यहीं इस पवित्र डेरे में रहकर यहोवा की सेवा करोगे।

मैं तैयार हूँ मम्मी, लेकिन मुझे आपकी बहुत याद आएगी!

मुझे भी मेरे बच्चे! पर क्या तुम्हें याद है कि तुम्हें क्यो कभी नहीं डरना चाहिए?

हाँ मम्मी। मैं जानता अगर मैं यहोवा के करीब रहूँ तो वह मेरे करीब रहेगा।

मैं महायाजक एली हूँ। ध्यान से देखो शमूएल। बहुत जल्द तुम भी इनके काम में मदद करोगे!





जैसे-जैसे साल बीतते गए, शमूएल ने देखा कि पवित्र डेरे में रहनेवाला हर कोई यहोवा से प्यार नहीं करता था। खुद एली के बेटे जो याजक थे, लोगों को सताते थे और उनके साथ बुरा व्यवहार करते थे।



एली के बेटे यहोवा की कोई इज़्ज़त नहीं करते थे। वे यहोवा को अर्पित किए जानेवाले बलिदान को चुराते थे और बहुत गंदे काम करते थे। लेकिन एली ने उन्हें ऐसा करने से नहीं रोका। एक बार एक भविष्यवक्ता ने उसे चेतावनी भी दी कि यहोवा उन्हें सज़ा देगा, फिर भी एली ने कुछ न किया।





शमूएल के मम्मी-पापा हर साल उससे मिलने आते और उसके लिए बिन आरस्तीन का बागा बनाकर लाते थे।

मम्मी! पापा! मुझे आपकी बहुत याद आयी।

क्या हुआ शमूएल?

आपने तो कहा था कि यह डेरा पवित्र है लेकिन यहाँ पर कुछ लोग बहुत गंदे-गंदे काम करते हैं।

लेकिन जब तक तुम सही काम करते रहोगे...

जानता हूँ। मैं कोशिश कर रहा हूँ मम्मी।

मैं समझ सकती हूँ मेरे बच्चे। यहोवा भी यह समझता है और वह सबकुछ देखता है।

जब मुझे बच्चे नहीं होते थे तो मुझे भी बुरा लगता था।

लेकिन यहोवा ने मेरी प्रार्थनाओं का जवाब दिया। उसने मुझे तुम्हें दिया! यहोवा अपने दोस्तों की हमेशा मदद करता है।

यहोवा से मदद माँगो। मैं और पापा भी तुम्हारे लिए प्रार्थना करेंगे।

आप सही कह रही हो मम्मी। शुक्रिया।



शमूएल बड़ा हुआ और यहोवा का एक **वफादार सेवक** बना। जब दूसरे बुरे काम करते थे तब भी वह यहोवा की मदद से, **खुरी से** सेवा करता था।



एक दिन यहोवा ने शमूएल को एक **खास** काम के लिए इस्तेमाल किया। उसने शमूएल से **बात की**।



शमूएल!



शमूएल!

बोलिए, आपका सेवक **सुन रहा है**।

जब दूसरों ने गलत काम किया तब भी शमूएल ने **यहोवा की सेवा की**। यहोवा ने उसे **प्रशिक्षण** दिया और उसे **बड़े-बड़े काम** करने के लिए इस्तेमाल किया।

**हम इस कहानी से क्या सीखते हैं?**

छोटे शमूएल के लिए, यहोवा की सेवा करना क्यों **मुश्किल** था?

**सुराग:** 1 शमूएल 2:12, 17.

भविष्यवक्ता होने के लिए यहोवा ने **शमूएल** को क्यों चुना?

**सुराग:** 1 शमूएल 2:26.

अगर दूसरे बुरे काम करते हैं तब भी **आप** कैसे यहोवा की सेवा कर सकते हैं?

**सुराग:** भजन 26:9-12.